## वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1. सही विकल्प चुनकर लिखिए–

**(1) किसी वस्तु का मूल्य निर्धारित होता है-**

(a) मांग द्वारा (b) पूर्ति द्वारा

(c) दोनों द्वारा (d) इनमें से कोई नहीं

**(2) बाजार मूल्य संबंधित है-**

(a) अति अल्पकालीन मूल्य से

(b) सामान्य मूल्य से

(c) स्थिर मूल्य से

(d) सभी से

**(3) वस्तु के मूल्य को प्रभावित करती है-**

(a) कुल उपयोगिता (b) सीमांत उपयोगिता

**(4) जब मांग बढ़ती है तो मांग वक्र खिसकता है-**
(a) ऊपर की ओर (b) नीचे की ओर
(c) दायीं ओर (d) बायीं ओर
**उत्तर**- (1) (c) (2) (a) (3) (b) (4) (a)

**प्रश्न 2. सत्य/असत्य बताइये-**
(1) कीमत तल का निर्धारण उत्पादक स्वयं करते है।
(2) कीमत सीमा निर्धारण का उद्देश्य लाभ प्राप्त करना है।
(3) कीमत तल का निर्धारण उत्पादक स्वयं करता है।
(4) बाजार मूल्य अति अल्पकालीन मूल्य होता है।
(5) बाजार मूल्य काल्पनिक होता है।
(6) मांग व पूर्ति की शक्तियां काफी समय तक स्थायी साम्य की अवस्था मे रहती है।
**उत्तर**- (1) असत्य (2) असत्य (3) असत्य (4) सत्य (5) असत्य (6) असत्य।

## अति लघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर

**प्रश्न 1. उच्चतम निर्धारित कीमत किसे कहते है?**
**उत्तर- उच्चतम निर्धारित कीमत-** किसी वस्तु या सेवा की सरकार द्वारा निर्धारित कीमत की ऊपरी सीमा को उच्चतम निर्धारित कीमत कहते है।

**प्रश्न 2. निम्नतम निर्धारित कीमत किसे कहते है?**
**उत्तर- निम्नतम निर्धारित कीमत-** सरकार द्वारा किसी वस्तु या सेवा के लिये निर्धारित न्यूनतम सीमा को निम्नतम निर्धारित कीमत कहते है।

**प्रश्न 3. सन्तुलन कीमत का अर्थ लिखिये।**
**उत्तर-** जब मांग व पूर्ति की परस्पर विरोधी शक्तियाँ एक बिन्दु पर समान या शक्तिहीन हो जाती है, वहाँ पर वस्तु की माँगी जाने वाली मात्रा उसकी पूर्ति की जानेवाली मात्रा के ठीक बराबर हो जाती है। इसे ही सन्तुलन मूल्य के नाम से चुकाया जाता है। इसे ही साम्य बिन्दु कहते हैं।

**प्रश्न 4. श्रम की मांग किसके द्वारा की जाती है?**
**उत्तर-** श्रम की मांग उत्पादक के द्वारा की जाती है।

**प्रश्न 5. वस्तुओं की मांग किसके द्वारा की जाती है?**
**उत्तर-** वस्तुओं की मांग उपभोक्ताओं के द्वारा की जाती है।

**प्रश्न 6. बाजार सन्तुलन से क्या आशय है?**
**उत्तर-बाजार संतुलन-** सन्तुलन मूल्य से तात्पर्य ऐसे मूल्य से है जो मूल्य को प्रभावित करने वाले विभिन्न तत्वों के द्वारा निर्धारित किया जाता है। किसी भी वस्तु का मूल्य उसकी मांग एवं पूर्ति की शक्तियों द्वारा निर्धारित होता है।

**प्रश्न 7. अधिमांग से क्या आशय है?**
**उत्तर- अधिमांग से आशय-** यदि उस कीमत पर बाजार मांग बाजार पूर्ति से अधिक है, तो उस कीमत पर बाजार मे अधिमांग कहलाती है।

**प्रश्न 8. अधिपूर्ति किसे कहते हैं?**
**उत्तर- अधिपूर्ति-** यदि किसी कीमत पर बाजार पूर्ति बाजार मांग से अधिक है, तो उस कीमत पर बाजार मे अधिपूर्ति कहलाती है।

**प्रश्न 9. श्रम बाजार में मजदूरी का निर्धारण कहाँ होता है?**
**उत्तर-** श्रम बाजार मे मजदूरी का निर्धारण उस बिंदु पर होता है जहाँ श्रम की मांग एवं श्रम की पूर्ति परस्पर बराबर होती है।

**प्रश्न 10. श्रम का सीमांत संप्राप्ति उत्पाद किसे कहते है?**
**उत्तर-** श्रम की प्रत्येक अतिरिक्त इकाई के लिये उसे जो अतिरिक्त लाभ प्राप्त होता है वह सीमांत प्राप्ति तथा सीमांत उत्पाद के गुणनफल के बराबर है। इसे श्रम का सीमांत संप्राप्ति उत्पाद कहते है।

**प्रश्न 11. कीमत सीमा में मांग आधिक्य की समस्या क्यों उत्पन्न होती है?**
**उत्तर-** कीमत सीमा से बाजार कीमत से कम कीमत पर आवश्यक वस्तुओं की कीमत सरकार द्वारा निर्धारित की जाती है जिससे मांग बहुत बढ़ जाती है और मांग आधिक्य की समस्या उत्पन्न हो जाती है।

**प्रश्न 12. कीमत तल का आशय स्पष्ट कीजिये।**
**उत्तर- कीमत तल का आशय-** कीमत तल का आशय बाजार कीमत या संतुलन कीमत के ऊपर सरकार द्वारा निर्धारित वह कीमत है जो उत्पादक को उसकी उपज पर चुकाई जाती है। इसे न्यूनतम समर्थन कीमत भी कहते है।